महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ, उ0 प्र0

त्रिवर्षीय स्नातक (बी0 ए0) संस्कृत पाठ्यक्रम

(स्नातक संस्कृत)

सी. बी. सी. एस. एवं सेमेस्टर प्रणाली

Azamgarh University

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़

स्थापित-2021

ज्ञानं संस्कृतिः विकासश्च परमो ध्येयः

त्रिवर्षीय स्नातक (बी0 ए0) संस्कृत पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार
(सत्र 2024–25 से प्रभावी)

R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

नई शिक्षा नीति 2020

उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय–संस्कृत

पाठ्यक्रम निर्माण के दिशा निर्देशों के अनुरूप
(स्नातक के प्रथम तीन वर्षों के लिए)

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

डॉ0 दीप्ति वाजपेयी (पर्यवेक्षक) एसोसिएट प्रोफ़ेसर, संस्कृत विभाग कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर गौतमबुद्ध नगर	डॉ0 शरदिन्दु कुमार त्रिपाठी (विषय विशेषज्ञ) एसोसिएट प्रोफ़ेसर, संस्कृत विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	डॉ0 प्रयाग नारायण मिश्र (विषय विशेषज्ञ) एसोसिएट प्रोफ़ेसर, संस्कृत विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	डॉ0 नीलम शर्मा (विषय विशेषज्ञ) एसोसिएट प्रोफ़ेसर, संस्कृत विभाग कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर गौतमबुद्ध नगर

R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

एम0 ए0 संस्कृत, पाठ्यक्रम समिति (अध्ययन परिषद्)
महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ

क्र. सं0	अध्ययन परिषद् के सदस्यों के नाम	पदनाम	स्थिति	विभाग	कालेज/विश्वविद्यालय
1.	प्रो0 वन्दना पाण्डेय	प्रोफ़ेसर	संयोजक एवं सदस्य (पी.जी.)	संस्कृत	सर्वोदय पी0 जी0 कालेज घोसी, मऊ
2.	डॉ0 मनोज द्विवेदी	असि. प्रोफ़ेसर	सदस्य (यू.जी.)	संस्कृत	श्री शिवा डिग्री कालेज कप्तानगंज, तेरहीं आजमगढ़
3.	डॉ0 रामप्रताप मिश्र	असि. प्रोफ़ेसर	सदस्य (यू.जी.)	संस्कृत	डी0 सी0 एस0 के0 पी0 जी0 कालेज, मऊ
4.	डॉ0 अनुराग मिश्र	असि. प्रोफ़ेसर	सदस्य (पी.जी.)	संस्कृत	गाँधी शताब्दी पी0 जी0 कालेज, कोयलसा आजमगढ़
5.	डॉ0 वन्दना द्विवेदी	एसो. प्रोफ़ेसर	वाह्य विशेषज्ञ	संस्कृत	नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेन्द्रनगर, लखनऊ
6.	डॉ0 शरदिन्दु तिवारी	एसो. प्रोफ़ेसर	वाह्य विशेषज्ञ	संस्कृत	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या– 4284/कु० का०/2024, दिनांक 30/08/2024 द्वारा नामित **एम0 ए0 संस्कृत अध्ययन परिषद** के संयोजक सहित बाह्य विषय–विशेषज्ञों एवं सदस्यों द्वारा कारित एवं पारित–

सदस्यों के हस्ताक्षर

V. Pandey

प्रो0 वन्दना पाण्डेय
(संयोजक) प्रचार्य
सर्वोदय पी0 जी0 कॉलेज
घोसी, मऊ

R.P. Mishra

डॉ0 रामप्रताप मिश्र
असि0 प्रो0, संस्कृत विभाग
डी0 सी0 एस0 खण्डेलवाल
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
मऊनाथ भंजन, मऊ

मनोज कुमार द्विवेदी

डॉ0 मनोज द्विवेदी
असि0 प्रो0,संस्कृत विभाग
श्री शिवा डिग्री कॉलेज
तेरहीं, कप्तानगंज, आजमगढ़

Anurag Mishra

डॉ0 अनुराग मिश्र
असि0 प्रो0,संस्कृत विभाग
गांधी शताब्दी स्मारक स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़

डॉ0 वन्दना द्विवेदी
एसो0 प्रो0,संस्कृत विभाग
नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ

डॉ0 शरदिन्दु तिवारी
एसो0 प्रो0
कला संकाय, संस्कृत विभाग
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

नई शिक्षा नीति 2020

उत्तर प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए न्यूनतम एकीकृत पाठ्यक्रम

विषय– संस्कृत (स्नातक स्तर– मुख्य पाठ्यक्रम)

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर	संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण	**कोड–** A020101T
द्वितीय सेमेस्टर	संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग	**कोड–** A020201T
माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम	व्यावहारिक संस्कृत व सामान्य व्याकरण–बोध	**कोड–** A020101M

बी.ए. द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर	संस्कृत नाटक एवं व्याकरण	**कोड–** A020301T
चतुर्थ सेमेस्टर	काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल	**कोड–** A020401T
शोध परियोजना	**द्वितीय प्रश्नपत्र**	**कोड–** A020402R
माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम	संस्कृत नाटक व व्याकरण–बोध	**कोड–** A020202M

बी.ए. तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर	**प्रथम प्रश्नपत्र** वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन	**कोड–** A020501T
	द्वितीय प्रश्नपत्र व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	**कोड–** A020502T

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

<u>षष्ठ सेमेस्टर</u> **नोट– स्नातक षष्ठ सेमेस्टर में कुल दो प्रश्नपत्र हैं, जिसमें प्रथम प्रश्नपत्र सभी के लिए अनिवार्य है। <u>द्वितीय प्रश्नपत्र में</u> (क,ख,ग,घ,ङ) कुल पाँच प्रश्नपत्रों के विकल्प दिये गये हैं। जिसमें से अभ्यर्थी को केवल एक ही प्रश्नपत्र का चुनाव करना है।**	**प्रथम प्रश्नपत्र** आधुनिक संस्कृत साहित्य	**कोड–** A020601T
	द्वितीय प्रश्नपत्र (क) योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा	**कोड–** A020602T
	द्वितीय प्रश्नपत्र (ख) आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान	**कोड–** A020603T
	द्वितीय प्रश्नपत्र (ग) भारतीय वास्तुशास्त्र	**कोड–** A020604T
	द्वितीय प्रश्नपत्र (घ) ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्त	**कोड–** A020605T
	द्वितीय प्रश्नपत्र (ङ) नित्यनैमित्तिक अनुष्ठान	**कोड–** A020606T
	तृतीय प्रश्नपत्र **लघु शोध परियोजना**	**कोड–** A020607R

V. Pandey R.P. Mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

निर्देश :

- यूजीसी एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 के दिशानिर्देशों के अनुरूप अब एक वर्ष का सर्टिफिकेट कोर्स, दो वर्ष का डिप्लोमा कोर्स, तीन वर्ष की स्नातक डिग्री, चार वर्ष की स्नातक (मानद) एवं स्नातक (मानद शोध सहित) डिग्री तथा पाँच वर्ष की स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की जायेगी।
- यह पाठ्यक्रम त्रिवर्षीय संस्कृत स्नातक तथा चार वर्षीय स्नातक (मानद व मानद शोध सहित) की उपाधि के लिए तैयार किया गया है।
- चर वर्षीय स्नातक (FYUP) कोर्स का पाठ्यक्रम, स्नातक के तीन वर्ष तथा परास्नातक के प्रथम वर्ष को जोड़कर माना जायेगा।
- प्रारम्भ में विद्यार्थी का प्रवेश तीन वर्ष की स्नातक डिग्री के लिए होगा। चौथे वर्ष में विद्यार्थी चार वर्ष की स्नातक (मानद) एवं स्नातक (मानद शोध सहित) डिग्री में से किसी एक का चयन कर सकते हैं।

- स्नातक स्तर पर द्वितीय वर्ष के बाद (चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा के उपरान्त) ग्रीष्मावकाश में विद्यार्थी अपने द्वारा चयनित **दो मेजर विषयों में से किसी एक विषय से सम्बन्धित तीन क्रेडिट की एक शोध–परियोजना करेगा।** ग्रीष्मावकाश में इसे पूर्ण न कर पाने की स्थिति में यह शोध–परियोजना तृतीय वर्ष के पंचम सेमेस्टर में भी की जा सकती है, परन्तु उसे द्वितीय वर्ष में तभी उत्तीर्ण माना जायेगा, जब उसके द्वारा वह परियोजना पूर्ण कर ली जायेगी।
- शोध–परियोजना से सम्बन्धित विषयवस्तु पाठ्यक्रम के अन्त में संलग्न है।
- स्नातक स्तर पर द्वितीय वर्ष के पश्चात् की गई शोध परियोजना की प्रोजेक्ट रिपोर्ट/शोध–प्रबन्ध (Report/Dissertation) विद्यार्थी अपने विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में जमा करेगा।
- शोध परियोजना एक शिक्षक सुपरवाईजर के निर्देशन में पूर्ण की जायेगी। सुपरवाईजर के रूप में एक अन्य विशेषज्ञ को किसी उद्योग/कम्पनी/तकनीकी संस्थान/शोध/शिक्षण संस्थान से भी लिया जा सकता है।
- शोध परियोजना का मूल्यांकन सुपरवाईजर एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 (75 शोध–प्रबन्ध +25 शोधपत्र) अंको में किया जायेगा।
- विद्यार्थी अपनी शोध परियोजना में से पेटेन्ट प्रकाशन अथवा शोधपत्र (UGC-CARE-Listed) अथवा बुक चैप्टर (ISBN) स्नातकोत्तर कार्यक्रम के दौरान प्रकाशित करवायेगा। 25 अंक पेटेन्ट अथवा शोधपत्र (UGC-CARE- Listed) अथवा बुक चैप्टर (ISBN) पर ही देय होंगे। इसके अतिरिक्त दो राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/संगोष्ठी में पेपर प्रजेन्ट करके भी विद्यार्थी 25 अंक प्राप्त कर सकता है।
- पेटेन्ट/शोधपत्र (UGC-CARE- Listed) अथवा बुक चैप्टर (ISBN) का प्रकाशन सुपरवाईजर तथा कई विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से कराने पर भी मान्य होगा।
- पेटेन्ट अथवा शोधपत्र (UGC-CARE- Listed) अथवा बुक चैप्टर (ISBN) न होने पर प्राप्तांक अधिकतम 75 ही देय होंगे। पूर्णांक अधिकतम 100 ही होंगे।
- स्नातक प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के लिए, संस्कृत **(माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम)** मेजर पाठ्यक्रमों के अनन्तर अन्तिम पृष्ठों में संलग्न है।

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

प्रश्न पत्रों का स्वरूप :

प्रत्येक प्रश्न पत्र तीन खण्डो में विभाजित है– (खण्ड– अ, ब एवं स)

खण्ड–अ

इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से अति–लघु–उत्तरीय प्रकार के कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है।
इस प्रकार, इस खण्ड में कुल 10 X 2 = 20 अंक निर्धारित है।
प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द–सीमा 50 होगी।

खण्ड–ब

इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से लघु–उत्तरीय प्रकार के कुल 8 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसमें यदि व्याख्या के प्रश्न होंगे तब उस स्थिति में व्याख्या के 3 प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। प्रत्येकप्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है।
इस प्रकार, इस खण्ड में कुल 5 X 7 = 35 अंक निर्धारित हैं।
प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द–सीमा 200 होगी।

खण्ड–स

इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से निबन्धात्मक व समीक्षात्मक प्रकार के कुल 4 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से केवल 2 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है।
इस प्रकार, इस खण्ड में कुल 2 X 10 = 20 अंक निर्धारित हैं।
प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द–सीमा 500 होगी।

प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु अंक विभाजन सारणी

खण्ड–अ : अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा–50)	10 X 2 = 20 अंक
खण्ड–ब : लघु उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा–200)	5 X 7 = 35 अंक
खण्ड–स : निबन्धात्मक प्रश्न (शब्द सीमा–500)	2 X 10 = 20 अंक
कुल	लिखित पूर्णांक = 75 अंक आंतरिक मूल्यांकन = 25 अंक पूर्णांक (75+25) = 100 अंक

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

विषय–संस्कृत (स्नातक स्तर)
Programme Outcomes (POs)

- विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त होगी।
- सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषागत पारंगता प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
- आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता के धारक होंगे।
- नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

Programme Specific Outcomes (PSOs)

- सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्त्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
- संस्कृत साहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण इत्यादि) से सुपरिचित होकर संस्कृत मर्मज्ञ बन सकेंगे।
- संस्कृत व्याकरण के विभिन्न अंगों के ज्ञान द्वारा भाषा के शुद्ध अध्ययन, लेखन एवं उच्चारण माध्यम से उनमे अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
- आयुर्वेद, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, नित्यनैमित्तिक कर्मकाण्ड इत्यादि के माध्यम से जीविकोपार्जन के योग्य बनेंगे।
- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य की समृद्धता एवं तन्निहित नैतिकता व आध्यात्मिकता को अनुभूत कर भारतीय संस्कृति के महत्त्व को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने में सक्षम होंगे।
- धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीति शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे।
- समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वांगीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Certificate** कार्यक्रम / वर्ग– **सर्टिफिकेट**	Year– **First** वर्ष– **प्रथम**	Semester- **I** सेमेस्टर– **प्रथम**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020101T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **संस्कृत पद्य साहित्य एवं व्याकरण**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- वह संस्कृत पद्य साहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
- उनमें काव्य में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
- पद्य में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के शब्दकोश में वृद्धि होने के साथ–साथ वह संस्कृत श्लोकों के शुद्ध और सस्वर उच्चारण–कौशल में निपुण बनेंगे।
- संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण–कौशल का विकास होगा।
- स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
- स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **6-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**क– संस्कृत वाङ्य में पारंपरिक ज्ञान विज्ञान एवं राष्ट्र गौरव, वैदिक और लौकिक संस्कृत साहित्य में भारतीय दर्शन, भूगोल एवं खगोल, गणित, ज्योतिष तथा वास्तु,**	4

	योग, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, विज्ञान, संगीत इत्यादि का सामान्य परिचय।	
	ख–संस्कृत काव्य एवं व्याकरण का सामान्य परिचय एवं प्रमुख आचार्य प्रमुख आचार्य– महाकवि वाल्मीकि, महाकवि वेदव्यास, महाकवि कालिदास, महाकवि भारवि, महाकवि माघ, श्रीहर्ष, महर्षि पाणिनि, महर्षि कात्यायन, महर्षि पतंजलि	8
II	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग (संपूर्ण) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	12
III	कुमारसंभवम्– प्रथम सर्ग (श्लोक संख्या 1 से 25) (व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)	11
IV	नीतिशतकम्– (श्लोक संख्या 1 से 25) (अर्थ एवं मूल्यपरक प्रश्न)	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	संज्ञा प्रकरण (लघु सिद्धांत कौमुदी)	12
VI	अच् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	12
VII	हल् संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	11
VIII	विसर्ग संधि (सूत्र व्याख्या एवं सूत्र निर्देश पूर्वक संधि एवं संधि विग्रह)	10

संस्तुत ग्रंथ–

- भारविकृत किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ0 राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग), डॉ0 जर्नादन शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिकेशन, दिल्ली
- किरातार्जुनीयम्, अनुवादक, श्री रामप्रताप त्रिपाठी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कालिदासकृत कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर
- कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग), श्री कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी

- भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, व्याख्याकार, सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2008
- नीतिशतकम्, व्याख्याकार, राकेश शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, संस्करण 2003
- नीतिशतकम्, समीर आचार्य, प्राच्य भारती प्रकाशन, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी, पंचम संस्करण, 1997
- वरदराजकृत लघुसिद्धांतकौमुदी, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1993
- लघुसिद्धांतकौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- लघुसिद्धांतकौमुदी, आचार्य डॉ0 सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण 2020

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट) 15 अंक

अथवा

संस्कृत श्लोकों के शुद्ध उच्चारण की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा

अथवा

माहेश्वर सूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

.....

Further Suggestions:

.....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Certificate** कार्यक्रम / वर्ग– **सर्टिफिकेट**	Year– **First** वर्ष– **प्रथम**	Semester- **II** सेमेस्टर– **द्वितीय**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020201T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **संस्कृत गद्य साहित्य, अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, गद्य काव्य के भेदों से परिचित हो सकेंगे।
- सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
- राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होगी तथा उत्तम नागरिक बनेंगे।
- अनुवाद कौशल में वृद्धि होगी।
- संस्कृत गद्य का धाराप्रवाह एवं शुद्ध वाचन–कौशल विकसित होगा।
- विद्यार्थी संगणक का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर, अधिगम क्षमता में वृद्धि हेतु इसका उपयोग कर सकने में सक्षम होंगे।
- E-content एवं डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग कर पाने में समर्थ होंगे।
- संस्कृत भाषा और साहित्य के नित–नूतन अन्वेषण को खोज पाने तथा उससे स्वयं के ज्ञान–कोष में वृद्धि कर पाने के योग्य होंगे।
- संगणन के प्रयोग के माध्यम से संस्कृत ज्ञान के प्रचार–प्रसार एवं आदान–प्रदान करने में कुशल बनेंगे।
- पारम्परिक एवं वैश्विक ज्ञान में सामंजस्य बनाकर ज्ञान की अभिवृद्धि करने एवं जीविकोपार्जन के नए मार्ग खोजने का कौशल विकसित होगा।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 6-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास** **प्रमुख गद्यकार– बाणभट्ट, दण्डी, सुबंधु, शूद्रक, अंबिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव**	11

II	शुकनासोपदेश (व्याख्या)	12
III	शिवराजविजयम्– प्रथम निःश्वास (व्याख्या)	12
IV	उपुर्यक्त दोनों ग्रन्थों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न	10
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	अनुवाद– हिन्दी से संस्कृत में (नियम निर्देश पूर्वक) (विभक्त्यर्थ प्रकरण पर आधारित सामान्य अनुवाद) (कारक एवं विभक्ति का ज्ञान अपेक्षित)	12
VI	अनुवाद–संस्कृत (अपठित) से हिन्दी अथवा अंग्रेजी में	11
VII	कम्प्यूटर का सामान्य परिचय, संस्कृत की दृष्टि से कम्प्यूटर की उपयोगिता, विभिन्न सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर में संस्कृत–हिन्दी लेखन हेतु उपयोगी टूल्स– यूनिकोड, गूगल इनपुट, गूगल असिस्टेंट एवं वॉइस टाइपिंग आदि	12
VIII	इंटरनेट का प्रयोग एवं वेब सर्च–ई टेक्स्ट, ई बुक्स, ई रिसर्च जनरल, ई मैग्जीन, डिजिटल लाइब्रेरी ऑनलाइन टीचिंग लर्निंग प्लेटफार्म–जूम, मीट, ऑनलाइन लर्निंग एवं रिसर्च प्लेटफार्म–स्वयं, मूक, ई–पाठशाला, शोधगंगा, गूगल स्कॉलर आदि	10

संस्तुत ग्रंथ–

- वाणभट्टकृत शुकनासोपदेश, सम्पादक, चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा प्रथम संस्करण, 1986–87
- शुकनासोपदेश, रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भंडार, मेरठ
- शुकनासोपदेश, डॉ0 महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शुकनासोपदेश, डॉ0 उमेश चंद्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- अंबिकादत्त व्यासकृत शिवराजविजयम्, सम्पादक, शिवकरण शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- शिवराजविजयम्, डॉ0 रमा शंकर मिश्र, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ0 महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ0 देव नारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ

- संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
- साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ0 उमेश चंद्र पाण्डये, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2007
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ0 यदुनंदन मिश्र, अनुवाद चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चंद्रिका, चंदधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999
- संस्कृत रचना, वी0एस0 आप्टे, अनुवादक, उमेशचंद्र पाण्डेय, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण 2008
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011
- कम्प्यूटर का परिचय, गौरव अग्रवाल, शिवा प्रकाशन, इंदौर
- कमप्यूटर फण्डामेण्टल, पी. के. सिन्हा, बी. पी. बी पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, सुमिता अरोरा, धनपत राय पब्लिकेशन, नई दिल्ली

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रंथों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी 15 अंक

अथवा

लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय)

अथवा

संस्कृत सम्भाषण

(ख) संगणक प्रायोगिक परीक्षा 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:.....

Further Suggestions:.....

R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग–**डिप्लोमा**	Year– **Second** वर्ष– **द्वितीय**	Semester- **III** सेमेस्टर– **तृतीय**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020301T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **संस्कृत नाटक एवं व्याकरण**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- संस्कृत नाट्य–साहित्य को सामान्य रूप से समझ सकने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद एवं अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
- संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- भारतीय सांस्कृतिक तत्वों एवं मूल्यों को आत्मसात कर, भारतीयता के गर्व बोध से युक्त, उत्तम नागरिक बनेंगे।
- व्याकरण परक शब्दों की सिद्धि प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Credits: 6	Core Compulsory
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 6-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	**नाट्य साहित्य परंपरा तथा प्रमुख नाटककार–** **भास, अश्वघोष, भवभूति, भट्टनारायण, विशाखादत्त**	12
II	**अभिज्ञान शाकुन्तलम् (1 से 2 अंक)**	11
III	**अभिज्ञान शाकुन्तलम् (3 से 4 अंक)**	11

IV	स्वप्नवासवदत्तम् (प्रथम अंक)	11
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	रूप सिद्धि– सामान्य परिचय अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धांत कौमुदी) पुल्लिंग–राम, सर्व, हरि (सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि)	12
VI	अजन्त प्रकरण (लघुसिद्धांत कौमुदी) स्त्रीलिंग–रमा नपुंसकलिंग–ज्ञान (सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि)	11
VII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धांत कौमुदी) पुल्लिंग– इदम्, राजन्, अस्मद, युष्मद् (सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि)	11
VIII	हलन्त प्रकरण (लघुसिद्धांत कौमुदी) स्त्रीलिंग– किम् नपुसंकलिंग– अहन् (सूत्र व्याख्या एवं शब्द रूप सिद्धि)	11

संस्तुत ग्रंथ–

- कालिदासकृत अभिज्ञानशाकुन्तलम्, व्याख्याकार, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लाल विजय कुमार प्रकाशन, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 उमेश चंद्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय संस्थान, गोरखपुर
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ
- भासकृत स्वप्नवासदत्तम्, व्याख्याकार, श्री तरणीश झा, रामनारायण लाल बेनी माधव प्रकाशक, इलाहाबाद
- स्वप्नवासदत्तम्, जय कृष्णदास हरिदास गुप्त, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी
- संस्कृत नाटक उद्भव और विकास, डॉ0 ए0 वी0 कीथ, अनुवादक, उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

- नाट्य साहित्य का इतिहास और नाट्य सिद्धांत, जय कुमार जैन, साहित्य भंडार, मेरठ 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- वरदराजकृत लघुसिद्धांतकौमुदी, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1993
- लघुसिद्धांतकौमुदी, गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ0 उमेश चंद्र पाण्डेय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- लघुसिद्धांतकौमुदी, डॉ0 रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटकों पर आधारित संवाद एवं अभिनय कौशल परीक्षा 15 अंक

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

.....

Further Suggestions:

.....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग– **डिप्लोमा**	Year– **Second** वर्ष– **द्वितीय**	Semester- **IV** सेमेस्टर– **चतुर्थ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020401T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **काव्यशास्त्र एवं संस्कृत लेखन कौशल**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्वों को समझने में सक्षम होंगे।
- छंद भेद एवं उनके नियमों को समझने में समर्थ होंगे।
- अलंकारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य के सौंदर्य का बोध कर सकेंगे।
- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
- शब्द ज्ञान से उनके ज्ञानकोष में वृद्धि होगी।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में निबंध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता का विकास होगा।
- संस्कृत पत्र–लेखन कौशल में वृद्धि होगी।
- अपठित अंश के माध्यम से विषय–वस्तु अवबोध एवं अभिव्यक्ति का कौशल विकसित होगा।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 6-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**संस्कृत काव्यशास्त्रीय परंपरा तथा प्रमुख काव्यशास्त्रीय ग्रंथ एवं आचार्य– भामह, दण्डी, वामन, आनंदवर्धन, मम्मट, कुंतक, क्षेमेंद्र, विश्वनाथ, जगन्नाथ**	12
II	**साहित्य दर्पण (प्रथम परिच्छेद)**	11

III	(छंदोमंजरी से अधोलिखित छंदो का लक्षण–उदाहरण सहित सामान्य परिचय) अनुष्टुप, आर्या, वंशस्थ, द्रुतविलंबित, भुजंगप्रयात, बसंततिलका, इंद्रवज्रा, उपेंद्रवज्रा, उपजाति, मालिनी, मंदाक्रांता, शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा	11
IV	(साहित्य दर्पण से अधोलिखित अलंकारों का सामान्य परिचय) (प्रभेद रहित केवल लक्षण व उदाहरण) अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान, दृष्टांत, निदर्शना, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, समासोक्ति	11
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	निबंध	12
VI	पत्र व्यवहार	11
VII	समसामयिक विषयों पर अनुच्छेद लेखन अथवा विज्ञापन अथवा समाचार लेखन	11
VIII	अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश पर आधारित प्रश्नोत्तर	11

संस्तुत ग्रंथ–

- विश्वनाथकृत साहित्यदर्पण, व्याख्याकार, सत्यव्रत सिंह, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
- साहित्यदर्पण, राज किशोर सिंह, प्रकाशक केन्द्र, लखनऊ
- श्री केदारभट्टकृत, वृत्तरत्नाकर, व्याख्याकार, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, संस्करण 2011
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, डॉ0 सावित्री गुप्ता, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2009
- छन्दोऽलंकारसौरभम्, प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
- गंगादासकृत, छंदोमञ्जरी, व्याख्याकार, डॉ0 ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि', चौखम्भा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997
- हायर संस्कृत ग्रामर, मोरेश्वर रामचंद्र काले, हिन्दी अनुवादक, कपिलदेव द्विवेदी, श्री रामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद, संस्करण 2001

- संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मंडल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली संस्करण, 2007
- अनुवाद चंद्रिका, डॉ0 यदुनन्दन मिश्र, अनुवाद चंद्रिका, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- अनुवाद चन्द्रिका, चंद्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, संस्करण 1999
- संस्कृत रचना, वी0 एस0 आप्टे, अनुवादक, उमेशचन्द्र पाण्डेय, चौखम्भा विद्याभवन वाराणसी, संस्करण 2008
- रचनानुवादकौमुदी, डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, संस्करण 2011
- संस्कृतनिबन्धावली, प्रो0 रामजी उपाध्याय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत निबन्ध सुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, संस्करण 2005

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी **15 अंक**

अथवा

किसी एक छंद अथवा अलंकार के लक्षण एवं न्यूनतम 10 उदाहरण (संगति सहित) के संकलन से संबंधित परियोजना कार्य एवं मौखिकी

अथवा

प्रदत्त अपठित श्लोकों में छंद एवं अलंकार निर्धारण विषयक प्रायोगिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

.....

Further Suggestions:

.....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **V** सेमेस्टर– **पंचम**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020501T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **(प्रथम प्रश्न पत्र)** **वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय दर्शन**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- वैदिक एवं औपनिषदिक संस्कृति के प्रति गौरव बोध होगा।
- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
- उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।
- औपनिषदिक कर्म संयम, भक्ति एवं त्यागमूलक संस्कृति से परिचित होंगे।
- वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थियों को तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का निदर्शन होगा।
- भारतीय दार्शनिक तत्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- दार्शनिक तत्वों में अनुस्यूत गूढ़ार्थ बोध होगा।
- दार्शनिक तत्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
- दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को, आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।
- गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणर्थ भाव विकसित होंगे।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**वैदिक वाङ्मय का सामान्य परिचय** **(संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्ग)**	9

II	ऋग्वेद संहिता– अग्नि सूक्त (1.1), इन्द्र सूक्त (2.12) पुरुष सूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ सूक्त (10.121)	9
III	यजुर्वेद संहिता– शिवसंकल्प सूक्त अथर्ववेद संहिता– पृथ्वी सूक्त (12.1) (1 से 06 मंत्र)	9
IV	ईशावास्योपनिषद् व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	9
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय। दर्शन का अर्थ एवं महत्त्व नास्तिक दर्शन– चार्वाक, जैन एवं बौद्ध आस्तिक दर्शन– न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा एवं वेदांत (परिचयात्मक प्रश्न)	9
VI	श्रीमद्भगवद्गीता– द्वितीय अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	10
VII	तर्कसंग्रह (आरंभ से प्रत्यक्ष खण्ड पर्यन्त)	10
VIII	तर्कसंग्रह (अनुमान से समाप्ति पर्यन्त)	10

संस्तुत ग्रंथ–

- ईशावास्योपनिषद्, डॉ0 शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- ईशावास्योपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण 1994
- ऋग्वेद संहिता, सम्पादक, राम गोविंद त्रिवेदी, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- ऋक्सूक्त संग्रह, सम्पादक, हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ
- ऋक्तसूक्त सौरभ, डॉ0 आर0 के0 लौ0, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
- वेदचयनम्, प्रो0 विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी 2019
- सूक्त संकलन, डॉ उमेशचंद्र पाण्डेय, प्राच्य भारतीय प्रकाशन, गोरखपुर
- वेदामृतमंजूषिका, डॉ0 प्रयाग नारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा विद्याभवन प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ0 कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ

- वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो0 राममूर्ति शर्मा, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
- श्रीमद्भगवद्गीता, सम्पादन, गजानन शंभू साधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली
- श्रीमद्भगवद्गीता, सम्पादक, हरि कृष्णदास गोयनका, गीता प्रेस, गोरखपुर, 2009
- अन्नमभट्टकृत, तर्कसंग्रह, व्याख्याकार, चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
- तर्कसंग्रह, व्याख्याकार, केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, संस्करण 1958
- भारतीय दर्शन आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय दर्शन का इतिहास, एस0 एन0 दासगुप्ता, अनुवादक, कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (1–5 भाग), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, संस्करण 1989
- भारतीय दर्शन, एस0 राधाकृष्णन, अनुवादक, नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एण्ड शन्स, दिल्ली
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम0 हिरियन्ना, अनुवादक, गोवर्धन भट्ट मंजू गुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1965

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) वैदिक मंत्रों का शुद्ध एवं सस्वर उच्चारण (भावार्थ सहित) 15 अंक

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:.....

Further Suggestions:.....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **V** सेमेस्टर– **पंचम**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020502T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **(द्वितीय प्रश्न पत्र)** **व्याकरण एवं भाषा विज्ञान**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- भाषा विज्ञान के उद्भव एवं विकास का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
- संस्कृत भाषा एवं व्याकरण की वैज्ञानिकता का अवबोध होगा।
- भाषा एवं भाषा विज्ञान की उपयोगिता एवं महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
- ध्वनि के प्रारम्भिक एवं वर्तमान स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन के कारणों के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित होगी।
- पदों की सिद्धि प्रक्रिया के माध्यम से शब्द–निर्माण की वैज्ञानिकता से परिचित होंगे।
- संस्कृत भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं लेखन का कौशल विकसित होगा।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	**'लघुसिद्धांत कौमुदी' के आधार पर निम्न धातुओं की पाँचो लकारों में सूत्र व्याख्या एवं रूप सिद्धि** **भू, गम्, एध्**	11
II	**'लघुसिद्धांत कौमुदी' कृदन्त प्रकरण के आधार पर निम्न प्रत्ययों का सामान्य परिचय** **कृत्य– तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्** **कृत्– तुमुन, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच्, ण्वुल, तृच, णिनि**	10
III	**'लघुसिद्धांत कौमुदी' के आधार पर** **तद्धित प्रकरण–अपत्यार्थ**	9

IV	'लघुसिद्धांत कौमुदी' के आधार पर विभक्त्यर्थ प्रकरण	9
	द्वितीय भाग (PART-2)	
V	लघुसिद्धांत कौमुदी के आधार पर विग्रह सहित समास परिचय	9
VI	लघुसिद्धांत कौमुदी के आधार पर स्त्री प्रत्ययों का सामान्य परिचय	9
VII	भाषाविज्ञान का स्वरूप, भाषाविज्ञान के अंग एवं उपादेयता, भाषा की परिभाषा, स्वरूप, एवं विशेषताएं	9
VIII	भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण	9

संस्तुत ग्रंथ–

- वरदराजकृत, लघुसिद्धांत कौमुदी, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 1993
- लघुसिद्धांत कौमुदी, आचार्य डॉ० सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी **15 अंक**

अथवा

संस्कृत संभाषण

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:.....

Further Suggestions:.....

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **VI** सेमेस्टर– **षष्ठ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020601T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **(प्रथम प्रश्न पत्र)** **आधुनिक संस्कृत साहित्य**	

Course outcomes: अधिगम उपलब्धि–

- आधुनिक संस्कृत–कवियों से सुपरिचित होंगे।
- नवीन बिम्बविधानों एवं नवीन विषयों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- आधुनिक संस्कृत–साहित्य के बाल–साहित्य से परिचित होते हुए संस्कृत–शिक्षण की सरलतम विधि के प्रति उन्मुख होंगे।
- आधुनिक संस्कृत–साहित्य में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
- आधुनिक संस्कृत–साहित्य में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय– आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र, आचार्य राधाबल्लभ त्रिपाठी, आचार्य रमाकान्त शुक्ल, आचार्य श्रीनिवास रथ, आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी**	10

II	आधुनिक महाकाव्य उत्तरसीताचरितम् (सप्तम सर्ग–विद्याधिगमः) आचार्य रेवाप्रसाद द्विवेदी	10
III	आधुनिक काव्य श्रम–माहात्म्यम् (षोडशी)– श्रीधर भास्कर वर्णेकर	9
IV	आधुनिक–नाटक (एकांकी) देवो न जानाति– प्रो० गोपबन्धु मिश्र	9
V	संस्कृत उपन्यास शिवराजविजयम् (द्वितीय निःश्वास) अम्बिकादत्त व्यास	9
VI	संस्कृत गीतिकाव्य तदेव गगनं सैव धरा– (केवल प्रथम गीत) आचार्य श्रीनिवास रथ	10
VII	संस्कृत कथा कथा मुक्तावली (क्षणिक विभ्रमः) पण्डिता क्षमाराव	9
VIII	संस्कृत सुभाषित दीपमालिका– (प्रथम मालिका) पं० वासुदेव द्विवेदी शास्त्री	9

संस्तुत ग्रंथ–

- उत्तरसीताचरितम्, आचार्य प्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थानम्, वाराणसी 5
- षोडशी, श्रीधर भास्कर वर्णेकर, सम्पादक एवं संकलनकर्ता, प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- नरके कोलाहलः 'संस्कृतलघुनाटकषोडशी', प्रो० गोपबन्धु मिश्र, संस्कृत भारती उ० प्र० न्यास, वाराणसी
- अंबिकादत्त व्यासकृत, शिवराजविजयम्, व्याख्याकार, डॉ0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ महेश कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- शिवराजविजयम्, डॉ0 देव नारायण मिश्र, साहित्य भंडार, मेरठ
- शिवराजविजयम्, स्व0 पं0 श्री रामजी पाण्डेय शास्त्री, व्यास पुस्तकालय, डी 16/14 मंदिरम् काशी
- तदेव गगनं सैव धरा, आचार्य श्रीनिवास रथ, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थानम् मानित

विश्वविद्यालय 56–57 इन्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली, संस्करण 2005

- कथा मुक्तावली, (पंचदश लघुकथानां संग्रहः, पण्डिता सौ0 क्षमाराव), न0 मा0 त्रिपाठी लि0 पुस्तक विक्रेता व प्रकाशक, प्रिन्सेस स्ट्रीट, मुम्वापुरी–2
- दीपमालिका, वासुदेव द्विवेदी शास्त्री, सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी
- संस्कृत वाङ्मय का वृहद इतिहास, सप्तम खंड– आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
- आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा, मंजूलता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली
- आधुनिक संस्कृत साहित्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, डॉ० रामप्रताप मिश्र एवं डॉ० आदेश कुमार मिश्र, उत्कर्ष पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स कानपुर, संस्करण 2024

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) आधुनक संस्कृत पुस्तक समीक्षा एवं मौखिकी **15 अंक**

अथवा

आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) **10 अंक**

Course prerequisites:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

Suggested equivalent online courses:

.....

Further Suggestions:

.....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **VI** सेमेस्टर– **षष्ठ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020602T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र–क (वैकल्पिक)** **योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- भारतीय योगशास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
- योगशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर योग की महत्ता से परिचित होंगे।
- योग के वास्तविक स्वरूप के अवबोध द्वारा योग को जीवन में समाहित करने हेतु प्रेरित होंगे।
- योग के आसनों के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक दोनों पक्षों को समान रूप से सीख सकेंगे।
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अनुप्रयोग द्वारा स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकने में समर्थ होंगे।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	**योग की भारतीय अवधारणा** **उपयोगिता एवं महत्त्व** **प्रमुख आचार्य एवं ग्रंथ– पतंजलि, विज्ञानभिक्षु, भोजदेव, वाचस्पति मिश्र**	10
II	**योगसूत्र– समाधि पाद (सूत्र 1 से 29 तक)**	10
III	**योगसूत्र– साधना पाद (सूत्र 29 से 55 तक)**	10
IV	**योगसूत्र–विभूति पाद (सूत्र 1 से 15 तक)**	9
V	**घेरण्ड संहिता–प्रथमोपदेश (श्लोक 1 से 32)**	9

VI	**घेरण्ड संहिता–प्रथमोपदेश (श्लोक 33 से 60)**	9
VII	**घेरण्ड संहिता–द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्)** **सिद्धासन, पद्मासन, भद्रासन, मुक्तासन, वज्रासन, स्वस्तिकासन्, सिंहासन, गोमुखासन**	9
VIII	**घेरण्ड संहिता–द्वितीयोपदेशः (आसनप्रकरणम्)** **वीरासन, धनुरासन, मृतासन, मत्स्यायन, पश्चिमोत्तानासन, गरूड़ासन, मकरासन, भुजङ्गासन**	9

संस्तुत ग्रंथ–

- पातंजलयोगदर्शनम्, (पतंजलि कृत योगसूत्र, व्यास भाष्य, वाचस्पति मिश्र कृत, तत्ववैशारदी एवं विज्ञानभिक्षु कृत योगवार्त्तिक सहित), सम्पादक, नारायण मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 1981
- योगदर्शन, सम्पादक, हरि कृष्णदास गोयेन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर
- पातंजलयोगदर्शनम्, सम्पादक, सुरेशचन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
- घेरण्ड संहिता, घेरण्ड मुनि, भाष्यकार स्वामी जी महाराज, पीतांबरा पीठ, दतिया, मध्य प्रदेश
- यज्ञ चिकित्सा, ब्रह्मवर्चस, युग निर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट, गायत्री तपोभूमि, मथुरा
- योग तथा मानसिक स्वास्थ्य, पी0 डी0 मिश्र, रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
- योग एवं स्वास्थ्य, पी0 डी0 मिश्र, रैपिडेक्स बुक्स, पुस्तक महल
- सूर्य किरण चिकित्सा विज्ञान, अमरजीत, खंडेलवाल प्रकाशन, जयपुर
- नेचर क्योर फिलासफी एंड मेथड्स, पी0 डी0 मिश्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
- आधुनिक संस्कृत साहित्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, डॉ० रामप्रताप मिश्र एवं डॉ० आदेश कुमार मिश्र, उत्कर्ष पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स कानपुर, संस्करण 2024

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) योगासनों का प्रदर्शन **15 अंक**

अथवा

अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय)	10 अंक
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**	
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **VI** सेमेस्टर– **षष्ठ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020603T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र–ख (वैकल्पिक)** **आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य विज्ञान**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भुत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित होंगे।
- वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ प्रेरित होंगे।
- अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु अग्रसर होंगे।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास प्रमुख आचार्य–चरक, सुश्रुत, वाग्भट, माधव, शारङ्गधर, भावमिश्र	10
II	आयुर्वेद का अर्थ एवं परिभाषा, मूलभूत सिद्धांत, वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व, अष्टांग आयुर्वेद	11
III	चरक संहिता–सूत्र स्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 41 से 92)	9
IV	चरक संहिता–सूत्र स्थान प्रथम अध्याय (श्लोक 93 से समाप्ति पर्यन्त)	9
V	चरक संहिता नवम अध्याय	9
VI	चरक संहिता दशम अध्याय	9
VII	अष्टांग हृदयम्–वाग्भट सूत्रस्थानम्– (प्रथम अध्याय 1–19)	9
VIII	अष्टांग हृदयम्–वाग्भट सूत्रस्थानम्– (प्रथम अध्याय 20–44)	9

संस्तुत ग्रंथ–

- चरक संहिता, सम्पादक, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2005
- वाग्भटकृत, अष्टांगहृदयम्, सम्पादक, ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली, पुनर्मुद्रित 2014
- आयुर्वेद का बृहद इतिहास, अत्रिदेव विद्यालंकार, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण 1976
- संस्कृत वाङ्मय का बृहद, इतिहास, बलदेव उपाध्याय, आयुर्वेद का इतिहास (सप्तदश खंड), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ 2006

• आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास, आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्भा ओरियण्टालिया, प्रकाशन, वाराणसी, 1975 • आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय, विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी, चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली • संस्कृत साहित्य में आवुर्वेद, अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ दुर्गाकुण्ड रोड, बनारस, प्रथम संस्करण, 1956
This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– **(क) अधिनियम (असाइनमेण्ट)/पत्र प्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी) 15 अंक** **अथवा** **प्रदत्त समस्या का निदान आदि (प्रायोगिक)** **(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

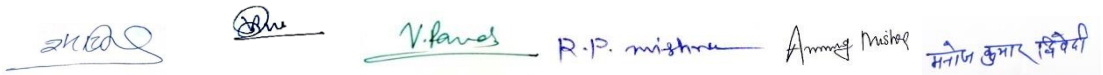

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **VI** सेमेस्टर– **षष्ठ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020604T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र–ग (वैकल्पिक)** **भारतीय वास्तुशास्त्र**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- भारतीय वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- भारतीय प्राचीन ज्ञान धरोहर को जानने व समझने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
- वास्तुशास्त्र के महत्त्व एवं वर्तमान उपयोगिता से परिचित होंगे।
- वास्तुशास्त्र के मूलभूत सिद्धान्तों के ज्ञान द्वारा उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Credits: **5**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	वास्तुशास्त्र का सामान्य परिचय महत्त्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता	10
II	वास्तुसौख्यम् (टोडरमल्ल विरचित) वास्तुसौख्यम्– प्रथम भाग वास्तु प्रयोजन, वास्तु स्वरूप (श्लोक 4 से 13) वास्तुसौख्यम्– द्वितीय भाग भूमि परीक्षण, दिक्साधन, निवासहेतु स्थान निर्वाचन (श्लोक 14 से 22) वास्तुसौख्यम्– तृतीय भाग गृह पर्यावरण, वृक्षारोपण, शल्यशोधन (श्लोक 31–49, 74–82)	10
III	वास्तुसौख्यम्– चतुर्थ भाग षड्वर्ग परिशोधन, वास्तुचक्र, ग्रहवास्तु, शिलान्यास (श्लोक 83–102, 107–112) वास्तुसौख्यम्–षष्ठ भाग पंचविधगृह, शालालिन्दप्रमाण, वीथिका प्रमाण	10

	(श्लोक 171–194, 195–196) वास्तुसौख्यम्– सप्तम भाग द्वार प्रमाण, स्तम्भ प्रमाण, पंच चतुःशाला गृह सर्वतोभद्र, नन्द्यावर्त, वर्धमान, स्वस्तिक, रुचक चक्र (श्लोक 203–217)	
IV	वास्तुसौख्यम्– अष्टम भाग एकाशीतिपदवास्तुचक्र, मर्मस्थान (श्लोक 287–302, 305–307) वास्तुसौख्यम्– नवमभाग वासदिशानिरुपण, द्वारफल, द्वारवेधफल (श्लोक 322–335, 359–369)	9
V	मुहूर्तचिन्तामणि, वास्तु प्रकरण (श्लोक 01 से 14)	9
VI	मुहूर्तचिन्तामणि, वास्तु प्रकरण (श्लोक 15 से 29)	9
VII	मुहूर्तचिन्तामणि, गृहप्रवेश प्रकरण	9
VIII	भारतीय वास्तुशास्त्र तथा आधुनिक वास्तुविज्ञान की तुलनात्मक समीक्षा	9

संस्तुत ग्रंथ–

- टोडरमल्लकृत, वास्तुसौख्यम्, सम्पादक, कमलाकांत शुक्ल, शिक्षण शोध एवं प्रकाशन संस्थान, वाराणसी, 1996
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, पीयूषधारा टीका सहित, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
- मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीराम, श्रीदुर्गा पुस्तक भण्डार, प्रयागराज
- भारतीय वास्तुशास्त्र, शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- वास्तुप्रबोधिनी, विनोद शास्त्री और सीताराम शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- बृहद् वास्तुमाला, राम मनोहर द्विवेदी एवं ब्रह्मानंद त्रिपाठी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2012
- वास्तुसार, देवीप्रसाद त्रिपाठी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, 2015

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–	
(क) पिण्डशोधन, भवन निर्माण की आंतरिक संरचना (प्रायोगिक)	**15 अंक**
अथवा	
अधिन्यास (असाइनमेण्ट)/पत्रप्रस्तुतीकरण एवं मौखिकी	
(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय)	**10 अंक**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**	
Suggested equivalent online courses:.....	
Further Suggestions:.....	

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **VI** सेमेस्टर– **षष्ठ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020605T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र–घ (वैकल्पिक)** **ज्योतिषशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत**	
Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–** ● भारतीय ज्योतिषशास्त्र के प्रति अभिरुचि उत्पन्न होगी। ● भारतीय ज्योतिषशास्त्र का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। ● ज्योतिष के विभिन्न सिद्धान्तों के ज्ञान के माध्यम से विश्लेषण क्षमता जागृत होगी। ● पंचाङ्ग अवलोकन एवं निर्माण कौशल का विकास होगा।		
Credits: **5**	**Core Compulsory**	
Max. Marks: 25 + 75	Min. Passing Marks:	

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**		
Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**ज्योतिषशास्त्र का सामान्य परिचय, उद्भव एवं विकास त्रिस्कंध ज्योतिष–सिद्धांत, संहिता, होरा**	9
II	**ज्योतिष चंद्रिका– संज्ञा प्रकरण (श्लोक 1 से 40)**	10
III	**ज्योतिष चंद्रिका–संज्ञा प्रकरण (श्लोक 41 से 80)**	10
IV	**ज्योतिष चंद्रिका–संज्ञा प्रकरण (श्लोक 81 से 115)**	10
V	**शीघ्रबोध– प्रथम प्रकरण**	9
VI	**शीघ्रबोध– द्वितीय प्रकरण**	9
VII	**शीघ्रबोध– तृतीय प्रकरण**	9
VIII	**शीघ्रबोध– चतुर्थ प्रकरण**	9

संस्तुत ग्रंथ–

- रेवतीरमण शर्मा कृत, ज्योतिष चंद्रिका, सम्पादक, कान्ता भाटिया, भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली
- काशीनाथकृत, शीघ्रबोध, सम्पादक, प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल, रायल बुक डिपो, लखनऊ
- ज्योतिर्विज्ञान सन्दर्भ समालोचनिका, प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- बृहत्संहिता, अच्युतानंद झा, अनुवादक, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी
- बृहत्संहिता (भाग 1–2), अनुवादक, राधाकृष्णन भट्ट, मोतीताल बनारसीदास, दिल्ली
- भारतीय ज्योतिष, शंकर बालकृष्ण दीक्षित एवं शिवनाथ झारखंडी, अनुवादक, हिंदी समिति, उत्तर प्रदेश
- भारतीय ज्योतिष, नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)	
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–	
(क) अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी	15 अंक
अथवा	
पंचाङ्ग अवलोकन परीक्षा	
(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय)	10 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)	
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

अथवा

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम/वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Third** वर्ष– **तृतीय**	Semester- **VI** सेमेस्टर– **षष्ठ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020606T	प्रश्न पत्र शीर्षक– **द्वितीय प्रश्न पत्र–ङ (वैकल्पिक) नित्य नैमित्तिक अनुष्ठान**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी भारतीय पारम्परिक कर्मकाण्ड एवं सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- नित्य–नैमित्तिक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय कर्मकाण्ड के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी उपयोगिता को जानने योग्य बनेंगे।
- सामान्य अनुष्ठान संपन्न कराने योग्य, कुशल व पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।

● आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।		
Credits: **5**		**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**		Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): **L-T-P: 5-0-0.**		
Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**नित्य विधि (प्रातरुत्थान, स्नान, संध्या, तर्पण तथा पंचयज्ञ)**	10
II	**स्वस्तिवाचन, संकल्प, गौरी–गणेश–पूजन तथा वरुणकलश–स्थापन**	10
III	**षोडशोपचार पूजन, कुशकंडिका–विधि, मंडप–कुंड–निर्माण तथा होम विधि**	10
IV	**रुद्राभिषेक, महामृत्युंज जप तथा नवचण्डी विधान**	9
V	**नवग्रह शांति, मूलगण्डान्तशान्ति, दुःस्वप्नशान्ति तथा वैधव्योपशांति**	9
VI	**प्राग्जन्म तथा जातकर्म संस्कार, अन्नप्राशन तथा चौल कर्म**	9
VII	**यज्ञोपवीत तथा विवाह संस्कार**	9
VIII	**गृहारंभ तथा गृह प्रवेश**	9

संस्तुत ग्रंथ–

- पारस्करगृह्यसूत्र, सम्पादक, सुधाकर मालवीय, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
- कर्मकौमुदी, डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, नाग प्रकाशक, दिल्ली 2001
- कर्मठगुरु, मुकुंद बल्लभ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 2001
- आपस्तम्बीयकर्म मीमांसा, प्रयाग नारायण मिश्र, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
- हिन्दू संस्कार, राजबली पाण्डेय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी 1995
- धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम भाग, अर्जुन चौबे, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
- संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लालबहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
- पौरोहित्यकर्म प्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

• नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस, गोरखपुर • धर्मशास्त्र का इतिहास, पाण्डुरंग वामन काणे, अनुवादक, अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ 1973
This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– **(क) अधिन्यास (असाइनमेण्ट) एवं मौखिकी (मंत्रोच्चार परीक्षा) 15 अंक** **(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक**
Course prerequisites: **सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)**
Suggested equivalent online courses:.....
Further Suggestions:.....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

स्नातक प्रथम वर्ष हेतु– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम)

Programme/Class: **Certificate** कार्यक्रम / वर्ग– **सर्टिफिकेट**	Year– **First** वर्ष– **प्रथम**	Semester- **I or II** सेमेस्टर– **प्रथम या द्वितीय**
विषय– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम) **नोट–** यह पाठ्यक्रम (स्नातक प्रथम वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन अभ्यर्थी स्नातक प्रथम वर्ष के (प्रथम या द्वितीय) किसी भी सेमेस्टर में कर सकते हैं।		
प्रश्न पत्र कोड– A020101M	प्रश्न पत्र शीर्षक– **व्यावहारिक संस्कृत व सामान्य व्याकरण–बोध**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर संस्कृत साहित्य के विविध स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में संस्कृत विषय के प्रति रुचि उत्पन्न होगी।
- विद्यार्थियों को अपने आस–पास की वस्तुओं को देखने, सुनने व समझने के लिए एक संस्कृतमय दृष्टि विकसित होगी, जिससे विषय के साथ–साथ विद्यार्थियों का भी उन्नयन होगा।
- विद्यार्थियों के दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों हेतु संस्कृत शब्दकोश का ज्ञान होगा।
- संस्कृत–व्याकरण का सामान्य ज्ञान, संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण–कौशल का विकास होगा।
- स्वर–व्यंजन तथा भाषा सम्बन्धित शब्दावलियों का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:

Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **4-0-0.**

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
	प्रथम भाग (PART-1)	
I	**संस्कृत में संख्याओं का ज्ञान (1–100 तक)**	10
II	**संस्कृत में दिनों के नाम, मास, पक्ष, दिशा, घड़ी आदि का सामान्य परिचय।**	15
III	**गृहोपयोगी तथा दैनिक जीवन में प्रयुक्त सामग्रियों के लिए सामान्य संस्कृत शब्दावली का ज्ञान।**	15
	द्वितीय भाग (PART-2)	
IV	**लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरण पर आधारित, माहेश्वरसूत्र का ज्ञान, प्रत्याहार निर्माण का अभ्यास**	15
V	**लघुसिद्धान्तकौमुदी– संज्ञाप्रकरण पर आधारित वर्णों के उच्चारण स्थान व उनके प्रयत्न का अभ्यास।**	15
VI	**लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर निम्नलिखित संधियों का सामान्यबोध (केवल संधिविच्छेद का ज्ञान)– दीर्घसंधि, गुणसंधि, वृद्धिसंधि, यणसंधि, अयादिसंधि, श्चुत्वसंधि, ष्टुत्वसंधि।**	20

संस्तुत ग्रन्थ–

- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक, रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद
- वरदराजकृत, लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार, आचार्य डॉ0 सुरेन्द्र देव स्नातक शास्त्री, प्रकाशक, चौखम्भा ओरियण्टालिया, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, व्याख्याकार, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली, संस्करण 1993
- वाक्यव्यवहारः, सम्पादक, वेम्पटि कुटुम्बशास्त्री, प्रकाशक, केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालयः नवदेहली
- संस्कृत–हिन्दी व्यावहारिक शब्दावली, लेखक– चन्द्रदेव त्रिपाठी
- शब्दसामर्थ्यम्, सम्पादक, डॉ0 चन्द्रकान्त दत्त शुक्ल, प्रकाशक, चातुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थानम् काशी, उत्तरप्रदेश

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**
प्रस्तावित सतत मूल्यांकन– (क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइमेण्ट) **15 अंक** अथवा वर्णों के उच्चारण स्थान व प्रयत्न की प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा अथवा माहेश्वरसूत्र एवं प्रत्याहार निर्माण विषयक परियोजना कार्य या मौखिकी (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) **10 अंक**
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

स्नातक द्वितीय वर्ष हेतु– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम)

Programme/Class: **Diploma** कार्यक्रम / वर्ग– **डिप्लोमा**	Year– **Second** वर्ष– **द्वितीय**	Semester- **III or IV** सेमेस्टर– **तृतीय या चतुर्थ**
विषय– संस्कृत (माइनर इलेक्टिव पाठ्यक्रम) **नोट–** यह पाठ्यक्रम (स्नातक द्वितीय वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन अभ्यर्थी स्नातक द्वितीय वर्ष के (तृतीय या चतुर्थ) किसी भी सेमेस्टर में कर सकते हैं।		
प्रश्न पत्र कोड– A020202M	प्रश्न पत्र शीर्षक– **संस्कृत नाटक व व्याकरण–बोध**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य परम्परा व नाट्यविधा को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
- नाटक की पारिभाषिक शब्दावलियों से परिचित होंगे।
- नाटक में प्रयुक्त रस, छंद, अलंकारों का सम्यक बोध कर सकेंगे।
- संवाद व अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।
- नवीन पदों के ज्ञान द्वारा उनके शब्दकोश में वृद्धि होगी।
- व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्धवाक्य विन्यास कौशल, विभक्ति, संधि व संज्ञाओं की परख व समझ विकसित होगी।
- शब्दों की प्रकृति व प्रत्यय को समझकर भाव–बोधन में समर्थ होंगे।

Credits: **6**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **25 + 75**	Min. Passing Marks:
Total No. of Lectures – Tutorials – Practical (in hours per week): L-T-P: **4-0-0.**	

Unit इकाई	**Topics** पाठ्य विषय	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
प्रथम भाग (PART-1)		
I	**संस्कृत नाट्य साहित्य परम्परा एवं नाट्योत्पत्ति के सिद्धान्त।**	10

II	निम्नलिखित संस्कृत नाटककारों एवं उनके प्रमुख नाटकों का सामान्य परिचय– भास, कालिदास, भवभूति।	10
III	'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' चतुर्थ अंक	30
	द्वितीय भाग (PART-2)	
IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थ प्रकरण	15
V	लघुसिद्धान्तकौमुदी– आधारित निम्नलिखित प्रत्ययों का सामान्य परिचय– तव्य, तव्यत्, अनीयर, क्त्वा, तुमुन्, ल्यप्	15
VI	लघुसिद्धान्तकौमुदी– विभक्त्यर्थ प्रकरण प्रकरण पर आधारित सामान्य संस्कृत अनुवाद।	10

संस्तुत ग्रन्थ–

- कालिदासकृत, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, व्याख्याकार, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी प्रकाशक, रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, पद्म श्री डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक रामनारायणलाल विजयकुमार 2, कटरा रोड़, इलाहाबाद
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्कृत संस्थान वाराणसी
- वरदराजकृत, लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्याख्याकार, आचार्य डॉ0 सुरेन्द्र देव स्नातक शास्त्री प्रकाशक, चौखम्भा ओरियण्टालिया, वाराणसी
- लघुसिद्धान्तकौमुदी, भैमी व्याख्या, व्याख्याकार, भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
- शब्दसामर्थ्यम्, सम्पादक, डॉ0 चन्द्रकान्त दत्त शुक्ल, प्रकाशक, चातुर्वेद संस्कृत प्रचार संस्थानम् काशी, उत्तरप्रदेश

This Couse can be opted as an elective by the students of following subjects:

सभी के लिए उपलब्ध (OPEN TO ALL)

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन–

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित ग्रन्थों पर आधारित अधिन्यास (असाइमेण्ट) 15 अंक

अथवा

श्लोकों के उच्चारणगत शुद्धता, विभक्तिज्ञान, विशेष्य–विशेषण व

संधि की परख सम्बन्धित प्रायोगिक/मौखिक परीक्षा अथवा पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्ययाधारित शब्दों में, उन प्रत्ययों का अन्वेषण रूपी परियोजना कार्य (ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तरीय) 10 अंक
Course prerequisites: सभी के लिए उपलब्ध **(OPEN TO ALL)**
Suggested equivalent online courses: .....
Further Suggestions: .....

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

स्नातक चतुर्थ सेमेस्टर– संस्कृत
(शोध–परियोजना हेतु निर्धारित विषयवस्तु)

Programme/Class: **Bachelor** कार्यक्रम / वर्ग– **स्नातक डिग्री**	Year– **Second** वर्ष– **द्वितीय**	Semester- **IV** सेमेस्टर– **चतुर्थ**
विषय– संस्कृत		
प्रश्न पत्र कोड– A020402R	प्रश्न पत्र शीर्षक– **शोध–परियोजना**	

Course outcomes: **अधिगम उपलब्धि–**

- विद्यार्थी शोधकार्य के प्रति जागरूक होंगे।
- लघुशोध परियोजना के माध्यम से उनमें शोध हेतु सूक्ष्म दृष्टि विकसित होगी।
- इस परियोजना कार्य के माध्यम से शोध–प्रारूप कैसे बनाया जाय? साहित्य सर्वेक्षण कैसे किया जाता है? उसके लिए कौन–कौन से प्लेटफार्म विकसित किये गये हैं? प्राथमिक सन्दर्भ और द्वितीयक सन्दर्भ क्या होता है? उनमें क्या अन्तर है? एक अच्छे शोध के लिए हमें प्राथमिक सन्दर्भ ही क्यों चुनना चाहिए? शोध हेतु सन्दर्भ कैसे इकट्ठा करते हैं? भूमिका कैसे लिखते हैं? अध्याय विभाजन कैसे करते हैं? उपसंहार कैसे लिखा जाता है? सन्दर्भ–ग्रन्थसूची कैसे तैयार की जाती है? सम्पादन कैसे किया जाता है? प्रूफ–रीडिंग कैसे करते हैं? डायक्रिटिकल मार्क्स क्या होते हैं, उनका प्रयोग प्रूफ–रीडिंग में कैसे किया जाता है? शोध विधियां क्या होती हैं? शोध में उन विधियों का प्रयोग कैसे किया जाता है? इत्यादि का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- इस परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थी भावी बृहद् शोध–परियोजना हेतु एक कुशल दृष्टि के साथ तैयार होंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

Credits: **3**	**Core Compulsory**
Max. Marks: **100**	Min. Passing Marks:

लघु–शोध परियोजना हेतु निर्धारित शोध–क्षेत्र

Unit इकाई	**Research Area** शोध–क्षेत्र	**No. of Lectures** व्याख्यान संख्या
I	**स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम आधारित वैदिक वाङ्मय के किसी अंश पर आधारित शोध–परियोजना।**	10

II	स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम आधारित किसी कवि या रचनाकार के साहित्यिक अवदान की समीक्षा, समसामयिक सरोकार, इत्यादि विविध विषयों पर आधारित शोध–परियोजना।	7
III	स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम आधारित किसी महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य, के किसी एक अंश पर आधारित शोध–परियोजना।	7
IV	स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम आधारित संस्कृत व्याकरण व कम्प्यूटर के किसी एक अंश पर आधारित शोध–परियोजना।	7
V	स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम आधारित संस्कृत नाट्यशास्त्रीय परम्परा या किसी नाटक के एक अंश पर आधारित शोध–परियोजना।	7
VI	स्नातक प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम आधारित संस्कृत काव्यशास्त्रीय परम्परा या किसी काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ, काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त के किसी एक अंश पर आधारित शोध–परियोजना।	7

V.Pandey R.P. mishra Anurag Mishra मनोज कुमार द्विवेदी

*****